प्रस्तुतीकरण भाषण

रायल अकादमी आफ सांईसेस के प्रो. एरिक लुंडबर्ग

द्वारा प्रस्तुतीकरण भाषण

महामहिम, प्रतापी राजधिराज, बहनों और भाईयों

अर्थषास्त्री बहुत हद तक आर्थिक नीति के प्रष्नों से सम्बध्द होते है कि सरकारे किस प्रकार और क्यों संकट का समाधान करने के अपने प्रयासों में लबातार देषों के अन्दर और बाहर नई जटिलताएं उत्पन्न करते हैं। विकास की विभिन्न लाइनों के विष्लेषण व्याख्या के लिए अर्थषास्त्री के प्रणाली विज्ञान और मॉडल निर्माण पर मांगें की जाती हैं। दुर्भाग्य से सामाजिक विज्ञान, उच्च आकांक्षाएं रखने के बाद भी उस स्टीकपन तक नहीं पहुंच सकते जिसकी वे आषा करते है। लोगों और सरकारों में योग्यताऐं है कि वे नई जटिलताएं नए अन्तर्विरोध और विवाद उत्पन्न किए जाऐ और अर्थषस्त्रीयों की ष्क्तियों से ऊपर और परे चले जाते हैं कि प्रणाली में व्यवस्था लाई जाए।

इस वर्ष अर्थषास्त्र ये पुरस्कार विजेता मिल्टन फ्राइडमैन है। वास्तव में उसके अनुसन्धान का लक्ष्य ठीक ठीक हमारे आर्थिक विचारों की समस्त

रेजं के सब क्षेत्रों में आर्थिक नीति के अलावा सुस्पष्टता और तन्त्र लाना है जिसमें आर्थिक इतिहास, आर्थिक सिध्दांत और प्रणाली विज्ञान प्रष्न षामिल हैं।

षायद फ़्राइडमैन की अद्भूत प्रवृति और प्रवृति यह है कि वे प्रभावी ढंग से वर्तमान धारणाओं और पहले से स्थ्पापित ज्ञान को प्रभावित कर सकता है और अस्तव्यस्त भी कर सकता है। हम दावा कर सकते हैं कि बहुत से क्षेत्रों में फ़्राइडमैन के प्रेरक योगदान के बिना आर्थिक अनुन्धान का विकास भिन्न होता है संभवत: वाद में ही वर्तमान मार्ग को अपनाया जाता। आर्थिक नीति पर परिचर्चा और अनुसन्धान के मार्ग को प्रभावित करने की फ़्राइडमैन की योग्यता कुछ तक हमें केनेस की याद दिलाती है। प्रभावी और कई बार वर्तमान सिध्दांतों की षक्तिषाली सरल आलोचना की पृष्ठभूमि के विरूध्द फ़्राइडमैन ने एक भिन्न दृष्टिकोण, एक वैकल्पिक सिध्दांत को बहुधा अनुभवसिध्द विष्लेषण की सहायता से प्रस्तुत किया है।

फ्राइडमैन का नाम मुख्यत: मुद्रास्फीति और पुनर्जीवित सहगामी समझ के स्पष्टीकरण और धन संबंधी नीतियों की संभावनाओं में धन के महत्व के विचार के पुनर्जीवन से सम्बध्द है। उसके माध्यम से हमने एक

षिकांगों स्कूल के रूप में अर्थव्यवस्था के स्थिरीकरण के लिए धन नियंत्रण नीति की उपस्थिति के साथ धन की भूमिका पर यह सुस्पष्ट बल इस रूप में देखा जाना चाहिए कि अर्थषास्त्री-बहुधा केयेनस के अन्तराधिकारी किस प्रकार लंबी अवधि तक व्यापार चक्रों और मुद्रस्फीति की प्रगति के विष्लेषण में धन और धन संबंधी नीतियों की लगभग पूर्ण उपेक्षा करते रहे। 1950 के दषक के आरंभ्ज्ञ से फ़्राइडमैन ने पहले के पष्च केयनेषियन पूर्वाग्रह के विरूध्द एक उचित प्रतिक्रिया का मार्ग प्रषस्त किया है। फ्राइडमैन के सिध्दांत और षोध प्रबन्धों पर तीव्र बहस के कारण केन्द्रीय बैंकों की आर्थिक नीतियों पर मुख्यतः यूएस और जर्मनी में पुनर्विचार हुआ। यह वास्तव में विलक्षण बात हैं। कि एक अर्थषास्त्री ने न केवल वैज्ञानिक अनुसन्धान की प्रगति पर बल्कि वास्तविक नीतियों पर प्रत्यक्ष प्रभाव प्राप्त किया जैसा कि फ्राइडमैन ने।

सब प्रकार की आर्थिक नीतियों में पष्चात पर फ्राइडमैन के अध्ययन को उसके अत्यधिक योगदानों में से एक माना जाए। यह फ्राइब्मैन ही था जिसने प्रेक्षण-निर्णय और प्रभाव-पष्चात को व्यापार चक्र की प्रगति के दौरान स्थायीकरण के लिए सही समय प्राप्त करने में पहले की मूलभूत

लेकिन अपेक्षित कठिनाइयों के लिए अभिव्यक्तियों बनाई।

फ़्राइडमैन ने दिखाया है कि धन की सप्लाई में परिवर्तनों से संबंधित लंबी और परिवर्तित पष्चताएं किस प्रकार अस्थिरीकारी तरीके से काम कर सकती हैं। इन प्रेक्षणों से लिए बए उसके तीव्र रूप से विवेचित आर्थिक-राजनीतिक निष्कर्ष ये है कि आर्थिक नीति को सरलीकृत बनाया जाए और धन सप्लाई के लिए विकास का एक स्थायी लंबी अवधि दर रखने का लक्ष्य को कम महत्वाकांक्षी बनाया जाए। हाल ही के वर्षो में यह दृष्टिकोण, कुछ बड़े केन्द्रीय बैंकों द्वारा कुछ हद तक, स्वीकार कर लिया गया है।

फ़्राइडमैन ने मुद्रास्फीति के कारणों पर वैज्ञानिक परिचर्चा के एक अन्य क्षेत्र पर अपनी छाप छोड़ी है। यह मजूरी के फैलाव और मूल्य वृध्दियों की दिषा के बारे में हैं। फ़्राइडमैन पहला अर्थषास्त्री था जिसने दिखया कि बेरोजगारी और मुद्रास्फीति की दर के बीच सरल "विनिमय" की वर्तमान मान्यता एक अस्थायी तथ्य के रूप् में थोडे समय के लिए ही बनी रहती है; लेकिन लंबी अवधि (पांच वर्षो से अधिक) तक ऐसी कोई "विनिमय" नही होती।

फ़्राइडमैन के सिध्दांत के अनुसार, बेरोजगारी का एक स्तर जिसे

ढांचागत सन्तुलन स्तर के नीचे बनाए रखा जाता है, मूल्य औश्र मंजूरी वृध्दि के एक संचयी दर की ओर ले जाता है और ऐसा मुख्यत: आषाओं की अस्थायीकारी भूमिका के कारण होता है। मंजूरी और मूल्य निर्धारण के वर्तमान प्रतिपादन, महत्वपूर्ण पहलुओं में, मुद्रास्फीति प्रख्याषों के महत्व के बारे में फ़्राइडमैन की परिकल्पनाओं पर निर्मित होते हैं।

आर्थिक नीति की संभावनाओं के बारे में फ़्राइडमैन के निष्कर्षो का एक बड़ा भाग एक क्रियाषील बाज़ार अर्थव्यवस्था की रचनात्मक और अन्तर्निमित विषेषताओं में उसके उदार विष्वास पर आधारित है। इसी में से ही सरकारी अधिकारियों की इस योग्यता के बारे में नकारात्मक विचार उत्पन्न होता है कि वे बाज़ार यन्त्रीकरण में वित्ताीय और नियामक नीतियों के माध्यम से हस्तक्षेप करें ताकि पूर्ण नियोजन प्राप्त किया जाए और बहुत अधिक आयातों को रोका जाए। लेकिन यह दार्षनिक और उदार राजनीतिक विष्वास का ही प्रष्न नहीं है। कई मुद्दों पर फ्राइडमैन युक्तियुक्त विष्लेषण किया है कि प्रतिस्पर्धात्मक बाजार प्रणाली कैसे काम करती है। 1950 के दषक के आरंभ में मुक्त एक्सचेंज दरों पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली के लिए नई व्यवस्था के प्रस्तावकों में फ़्राइड अग्रगणी थे। उसने समस्या को

सैध्दांतिक रूप से अध्ययन किया और साथ ही अनुभवसिध्द साक्ष्य की तलाष भी की ताकि अनुभाग लगाया जा सके कि ऐसी प्रणाली कैसे काम करेगी। वास्तव मे फ़्राइडमैन यह देखने वालों और व्याख्या करने वालों में सबसे पहला था कि अपेक्षाकृत स्थिर विनिमय दरों के होते हुए ब्रेटन बुड प्रणाली जन्दी या देर बाद भंग हो जाएगी।

विषुध्द वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, फ़्राइडमैन का सबसे महत्वपूर्ण यह था कि उसने वर्तमान वार्षिक आय की बजाए, "स्थायी आय" के बारे में परिकल्पना की सहायता उपभोग सिध्दांत को पुनः रूप दिया और कुल उपभोग व्यय निर्धारित करने के लिए यह निर्णायक तत्व था। यहां घरेलू अस्थायी आय और अधिक स्थायी आय के बीच एक अत्यन्त लाभप्रद भेद बताया गया है; फ़्राइडमैन ने इस सिध्दांत का व्यापक साख्यिकी सामग्री पर परीक्षण किया है और दिलचस्प परिणाम प्राप्त किए है। उपभोग कार्य के फ़्राइडमैन के रूपांतरण का सिध्दांत और अनुभवसिध्द अनुसन्धान दोनों पर स्थायी प्रभाव हुआ।

उसकी बड़ी रचना "यूनाइटेडस्टेट्स का आर्थिक इतिहास 1867-1960 को फ़्राइडमैन की अत्यधिक ठोस और साथ ही साथ पथ प्रदर्षक योगदानों में

एक माना जाएगा। यही फ़्राइडमैन ने एक आर्थिक इतिहासकार के साथ सहयोग किया है। व्यापक एतिहासिक-सांख्यिकीय समाग्री के विस्तृत विष्लेषण पर बहुत हद तक फ़्राइडमैन की मोहर है। ऐसा कभी-कभार ही होता है कि ऐसा अनुभव प्राप्त होता है जैसाकि इस रचना में हुआ, विकासात्मक चरणों, संस्थागत परिवर्तनों के समस्त विस्तार पर विस्तृत ऐतिहासिक-सांख्यिकीय सामग्री का ब्योरेवार विष्लेषण अग्रगामी राजनीतिज्ञों और बैंकारों द्वारा किए गए बहुत से व्यक्तिगत भूमि दोनों, स्रोत समाग्री का आलोचनात्मक मूल्यांकन और प्रष्नगत जटिल सामग्री के विवेकपूर्ण और सन्तुलित आर्थिक विष्लेषण का बढ़िया समिश्रण प्राप्त होता है। षायद फेडरिल रिर्ज़व सिस्टम की नीति द्वारा अपनायी गई महत्वपूर्ण भूमिका विषेषत: उसकी काल्पनिक और क्रियाषील ढंग से पूरी की जांच को देखा जा सकता है जिसके द्वारा 1929 संकट बढ़ाया गया और अगामी मन्दी को गहरा बनाया गया था।

प्रो0 मिल्टन फ़्राइडमैन को उनके उपभोक्ता विष्लेषण और आर्थिक इतिहास और सिध्दांत, जिसमें स्थिरीकरण नीति की जटिलता के उनके प्रेक्षण षामिल हैं, के लिए उनके योगदान के लिए अर्थषास्त्र में 1970 नोबेल

स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

प्रो0 फ़ाइडमैन,

रायल अकादमी ऑफ साईंसेसे की ओर से मैं अनुरोध करता हूँ कि आप माहधिराज के कर कमलों से अपना पुरस्कार प्राप्त करें।

नोबेल लैक्चरों से, अर्थषास्त्र 1969-1980, सम्पादक अस्सार लिंडबेक, वर्ल्ड संईटिफिक पब्लिषिंग कं0, सिंगापुर, 1992.